

ना २

२७ नमस्तु गवतः शायी मा हवति ह नान्न वसया जुतं कस्मिन् समर्थ गवां न ज्ञायंति ह न
ति स्म जत वन्मा श्रथ विंदु महा वज्र मरु सिखे न कुता गालेः विह नति सम मा हवतुः समा
धि र्मा सिपुति स्म न्य महा वज्रः कल्प विह म म नं कुतः महा वज्र वृक्ष मित्रः सित प ता ला खित
महा वज्र समाधि कृत र्मा सिः ता ग मा हवतुः धि स्मिन्माः महा वज्र महा मंडतः मा द स कृ द वा
ना त स्यत्

आशा अरु कधि
ASHA ARCHIVES

794

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ५

२ वं त ३११

नमस्तुभ्य नमस्तुभ्य नमस्तुभ्य नमस्तुभ्य
नमस्तुभ्य नमस्तुभ्य नमस्तुभ्य नमस्तुभ्य
नमस्तुभ्य

नवद्वि अदो कयु वीव शुं गी जय। सा रघा शि दि १७४ शक्ति वाय। सम रु का ये सी ह। ७७ मी न स मा ग म रु य। सम रु र	दि न द य १७५ द वे रु ति रु ग यी ठा न क यु। ७७ २ न ग व म है दि वा ७७ न रु र	व क रु न द रु वा ७७ ३ व सा वि रु रु रु य म न व ७७ ४ व न क रु या न रु वा। वः	य क व रु पि का ये। का क व रु रु वा ७७ ५ वा द या य म ७७ ६ व रु रु रु ७७ ७ व न वा व ता ७७ ८
---	--	--	---

72

[illegible]

लोविमंरजाचायेष्टीजगजानननमी ॥ सन्वत् ११० आखादवाविशा हुरु ॥ ५५०५५५ ॥

५५

५५

आशा नरवाधि
७७५

ASHA ARCHIVES